वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 6 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

दैनिक जागरण

बिलासपुर रवाना हुई पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में अपना जलवा बिखेरने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर (छत्तीसगढ़) रवाना हो गई। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया व हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कुलपति ने कहा कि आज के दौर में उच्च शिक्षण संस्थान केवल बौद्धिक ज्ञान बांटने के केंद्र नहीं हैं, बल्कि युवाओं के समग्र व्यक्तित्व को गढ़ने की प्रयोगशाला हैं। जब खिलाड़ी मैदान में उतरता है तो वह दबाव में सटीक निर्णय लेने, रणनीतिक सोच और संकट में नेतृत्व की क्षमता सीखता है। यही गुण जीवन में उसे सफल बनाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से मैदान पर आपसी तालमेल, आक्रामक खेल और अनुशासन के साथ विरोधी टीम को परास्त करने का आह्वान किया। प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, रजनीश सिंह व मुख्य प्रशिक्षक विजय प्रकाश मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

सुरक्षित एप्लीकेशन से ही साइबर सुरक्षा संभव

90 से अधिक प्रतिभागियों ने सीखे साइबर सुरक्षा और सुरक्षित कोडिंग के गुर

• पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ



पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में बोलते डा. अनुप गिरिधर • जागरण

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 'सुरक्षित एप्लीकेशन विकास' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में 90 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डा. विक्रांत भटेजा द्वारा मुख्य वक्ता डा. अनुप गिरिधर के स्वागत-अभिनंदन से हुई।

मुख्य विशेषज्ञ डा. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक ढंग से सुरक्षित साफ्टवेयर निर्माण के सिद्धांतों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में एप्लीकेशन का केवल आकर्षक और उपयोगी होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा और संपूर्ण डिजिटल तंत्र को साइबर हमलों से बचाना भी उतना ही अनिवार्य है। वर्चुअल मशीन के माध्यम से प्रक्रिया समझाते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा मानकों को विकास के शुरुआती चरण से ही लागू किया जाना चाहिए। अंतिम चरण में सुरक्षा जोड़ने से कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है। डा. गिरिधर ने उपयोगकर्ता पहचान, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण और इनपुट शुद्धिकरण के महत्व पर बल दिया, जिससे एसक्यूएल इंजेक्शन और क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग जैसे खतरों से बचाव हो सके। उन्होंने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन सुरक्षित संचार और सीमित डेटाबेस अधिकारों की सिफारिश की। साथ ही, उन्होंने सलाह दी कि तकनीकी त्रुटि होने पर उपयोगकर्ता को कोई संवेदनशील जानकारी प्रदर्शित न की जाए, क्योंकि साइबर अपराधी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। उन्होंने बाहरी पुस्तकालयों को नियमित अद्यतन करने, कोड की जांच करने और गतिविधियों की निरंतर निगरानी को आवश्यक बताया।

दैनिक जागरण

पूविवि में निखरेगी खेल प्रतिभा, जल्द बिछेगा सिंथेटिक ट्रैक

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने खेल व युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव से मुलाकात कर खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मांग पत्र सौंपा। राज्यमंत्री की ओर से बुनियादी संसाधनों को दुरुस्त करने का भरोसा दिया गया है।



<< खेल व युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव को पुष्प गुच्छ देते कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह • विश्वविद्यालय

कुलपति ने परिसर में अत्याधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना व एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के कायाकल्प के लिए वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति मांगी। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में तीन लाख से अधिक युवा अध्ययनरत हैं। इस माटी ने देश को हाकी स्टार कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अर्जुन पुरस्कार विजेता राजकुमार पाल व अंतरराष्ट्रीय एथलीट पारुल चौधरी जैसी खेल हस्तियां दी हैं, जिन्होंने ओलिंपिक और विश्व पटल पर तिरंगा लहराया है। मानक सिंथेटिक ट्रैक के अभाव में खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीक से अभ्यास करने में काफी अड़चन आती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी में भी बाधा बनती है। वहीं, एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण योजना के तहत मैदान के समतलीकरण, विश्वस्तरीय ड्रेनेज सिस्टम, हाई-क्वालिटी टर्फ पिच, प्रैक्टिस नेट व खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी। इससे नियमित उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का मार्ग प्रशस्त होगा।

दैनिक जागरण

पूर्विवि के विकास को लेकर मुख्यमंत्री से मिले कुलपति

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने सोमवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। कुलपति ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास, शोध कार्यों, बुनियादी सुविधाओं और विद्यार्थियों के हित में किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा हुई। कुलपति ने विश्वविद्यालय में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों और शोध कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी।

उन्होंने पठन-पाठन का माहौल बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। कुलपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप व्यावसायिक और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। सीएम ने विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मार्गदर्शन दिया।

यह और अन्य खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

अमर उजाला

पूर्वांचल में बनेगा सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, स्टेडियम का होगा कायाकल्प

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव, विकसित होगी अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित करने की दिशा में पहल तेज हो गई है। विश्वविद्यालय परिसर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निर्माण कराया जाएगा और एकलव्य स्टेडियम का कायाकल्प किया जाएगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव से मुलाकात कर विश्वविद्यालय में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना और एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण का प्रस्ताव सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए खेल सुविधाओं के विकास में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कुलपति के अनुसार मांग पत्र में विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में तीन लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

इसके तहत मैदान का समतलीकरण, बेहतर जलनिकासी व्यवस्था, उच्च गुणवत्ता वाली पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की योजना है। इससे विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय ने देश को कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दिए हैं। इनमें हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल और अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी प्रमुख हैं।

अमर उजाला

अमर उजाला जौनपुर युवा Youth

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता : डॉ. अनूप गिरिधर

पूविवि में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कुलपति प्रो. आरके सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों, संकाय सदस्यों ने भाग किया। विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरिधर ने सुरक्षित एप्लीकेशन विकसित करने के विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में एप्लीकेशन को केवल उपयोगी और आकर्षक बनाना पर्याप्त नहीं है। उसमें



सदस्यों को जानकारी देते विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरिधर। पूविवि

उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर और पूरे डिजिटल सिस्टम की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी जरूरी है। एप्लीकेशन तैयार करते समय सुरक्षा को शुरुआत से ही विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

अंतिम चरण में सुरक्षा जोड़ने से साइबर कमजोरियों और जोखिमों की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही उपयोगकर्ता की पहचान की जांच, भूमिका के अनुसार अधिकार निर्धारण और सुरक्षित प्रमाणीकरण की आवश्यकता बताई। कहा कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दर्ज किए जाने वाले डेटा की जांच और शुद्धिकरण जरूरी है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन और क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग जैसी साइबर कमजोरियों से बचा जा सके।

संवेदनशील डेटा के कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों और डेटाबेस में आवश्यकतानुसार सीमित अधिकार देने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा ने डॉ. अनूप गिरिधर का स्वागत किया।

छात्रवृत्ति के नवीनीकरण के लिए 15 तक आवेदन

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया चल रही है। सत्र 2026-27 में छात्रवृत्ति के नवीनीकरण के लिए 15 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। नए आवेदन के लिए 31 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन का मौका मिलेगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने जौनपुर और गाजीपुर के संबद्ध महाविद्यालयों को निर्धारित समय में सत्यापन और आवेदन अग्रसारित करने के निर्देश दिए हैं। विश्वविद्यालय छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी, जिनका छात्रवृत्ति नवीनीकरण होना है, वे 15 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करने के साथ संस्थान में हार्ड कॉपी भी जमा कर दें।

पहली बार छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को 31 अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन करने का मौका मिलेगा। संवाद

खानपुर की टीम कबड्डी में अव्वल

खुटहन। खानपुर गांव में जय चौरा माता कबड्डी क्लब के तत्वावधान में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें खानपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करते हुए खानपुर की टीम ने बदलापुर खुर्द को पछाड़ दिया। विजेता टीम को 10 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को सात हजार रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता में करीब 40 टीमों ने प्रतिभाग किया।

स्कोरर विनोद कुमार यादव, रेफरी विकास यादव और कमेंटेटर अंकित दुबे रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि राजीव यादव ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। नीरज सिंह ने कहा कि इस प्रकार के खेल से खिलाड़ियों में टीम भावना का विकास होता है और अनुशासित रहने की प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर समर बहादुर, अशोक कुमार, मनोज कुमार यादव, रामाशीष आदि मौजूद रहे। संवाद

पदक के लिए उतरेगी महिला कबड्डी टीम

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम छत्तीसगढ़ के बिलासपुर रवाना हुई। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया।

कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कुलपति ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे आत्मविश्वास और खेल भावना के साथ मैदान में उतरने और अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ियों में प्रतिभा और मेहनत की कोई कमी नहीं है। खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में एकजुट होकर खेलना चाहिए। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह और प्रशिक्षक विजय प्रकाश समेत खेलकूद विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। संवाद

अमर उजाला
यदि आपको अमर उजाला की प्रति नियमित या समय से

हिंदुस्तान

एप्लीकेशन विकास पर कार्यशाला

■ पीयू में आयोजन, 90 से अधिक विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। कुलपति प्रो. आरके सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं और शोधार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के पहले दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में एप्लीकेशन को उपयोगी और आकर्षक बनाना ही पर्याप्त नहीं है। उपयोगकर्ता की जानकारी, डेटा, सर्वर और पूरी डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों तथा अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी जरूरी है। उन्होंने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया समझाई। कहा कि एप्लीकेशन तैयार करते समय सुरक्षा को शुरुआत से ही डिजाइन का हिस्सा बनाना चाहिए। विकास के अंतिम चरण में सुरक्षा उपाय जोड़ने से कमजोरियां और साइबर जोखिम बढ़ सकते हैं। उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की जांच, भूमिका के अनुसार अधिकार तय करने और सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर भी चर्चा की। प्रतिभागियों को बाहरी लाइब्रेरी और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अपडेट रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास से लेकर परीक्षण और परिनियोजन तक सुरक्षा मानकों का पालन करने की सलाह दी। इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल और कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा ने डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत किया।

रोल बाल स्पर्धा में सहर्ष का जलवा

खुटहन, हिन्दुस्तान संवाद। गाजियाबाद में दो से चार अक्तूबर तक आयोजित 19वीं सब जूनियर (14 वर्ष से कम) उत्तर प्रदेश स्टेट रोल बाल चैंपियनशिप में वाराणसी की बालक वर्ग टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। टीम की सफलता में खुटहन क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी सहर्ष सिंह की भी अहम भूमिका रही। वह ईंट भट्ठा संचालक संदीप सिंह के पुत्र हैं। प्रतियोगिता में प्रदेश के 15 जिलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। सहर्ष सिंह वाराणसी में रहकर सनबीम स्कूल में कक्षा आठ में अध्ययन कर रहे हैं।

महिला कबड्डी टीम स्पर्धा के लिए बिलासपुर रवाना

जौनपुर, संवाददाता। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया, हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं [illegible] बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास [illegible] नेतृत्व क्षमता और टीम भावना [illegible] विकसित करने का सशक्त माध्यम [illegible] विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टी[illegible] प्रतियोगिता में अनुशास[illegible] आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेंगी [illegible] इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार यादव [illegible] प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह [illegible] रजनीश सिंह एवं प्रशिक्षक विजय [illegible] प्रकाश सहित विश्वविद्यालय [illegible] खेलकूद विभाग के कर्मचारी रहे।

आज

आज जौनपुर
वाराणसी, ६ अक्तूबर, २०२६

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता : अनुप गिरिधर

सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, पीयू में ९० से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने किया प्रतिभाग

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में ९० से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके। विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं। डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली। छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।



आज

पीयू की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

वाइसचांसलर प्रो. आरके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना

खिलाड़ियों को दी सफलता की शुभकामनाएं

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी। विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह एवं प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।



आज

खेल सुविधाओं के लिए वाइसचांसलर ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश जो खेलते हैं, वो खिलते हैं और 'फिट इंडिया' मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।



कौटिल्य का भारत

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी।

इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश "जो खेलते हैं, वो खिलते हैं" और 'फिट इंडिया' मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

» कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना, खिलाड़ियों को दीं सफलता की शुभकामनाएं

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी। विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह एवं प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं!!

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता: डॉ. अनुप गिरिधर

» सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन (Virtual Machine) के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके। विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं।

डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली। छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

जौनपुर धारा

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम रविवार देर शाम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए बिलासपुर, छत्तीसगढ़ रवाना हुई। रवाना होने से पहले कुलपति प्रो. आरके सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया।

कुलपति ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है।

उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वविद्यालय और जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी। टीम प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर पदक हासिल करने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। रवाना होने के दौरान खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास नजर आया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह और प्रशिक्षक विजय प्रकाश समेत खेलकूद विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में सफलता की शुभकामनाएं दीं।

जौनपुर धारा

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता : डॉ. अनुप गिरिधर

पीयू में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला शुरू

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छः दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कुलपति प्रो.आरके सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

पहले दिन विशेषज्ञ डॉ.अनुप गिरिधर ने सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को अंतिम चरण में जोड़ने के बजाय शुरुआत से ही विकास प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच के जोखिम को कम किया जा सकता है। उन्होंने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित



वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही उपयोगकर्ता की पहचान की जांच, भूमिका के अनुसार अधिकार निर्धारण और सुरक्षित प्रमाणीकरण की आवश्यकता बताई। उन्होंने एप्लीकेशन में यूजर इनपुट की जांच को भी महत्वपूर्ण बताते हुए सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव के उपाय बताए। डॉ.गिरिधर ने संवेदनशील डेटा के कूटलेखन, सुरक्षित संचार, सॉफ्टवेयर घटकों के नियमित अपडेट और कोड की सुरक्षा जांच पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी त्रुटि की स्थिति में संवेदनशील जानकारी उपयोगकर्ता के सामने प्रदर्शित नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में इंजीनियरिंग संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल और कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा ने विशेषज्ञ का स्वागत किया। आगामी सत्रों में सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण और डिजिटल सुरक्षा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उत्तर शक्ति

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश ह्वजो खेलते हैं, वो खिलते हैंह्व और ह्वफिट इंडियाह्व मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

उत्तर शक्ति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना, खिलाड़ियों को दीं सफलता की शुभकामनाएं



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी।

विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह एवं प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दी

उत्तर शक्ति

एप्लीकेशन विकास में सुरक्षा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. अनुप गिरिधर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने सहभागिता की।

प्रथम दिन विशेषज्ञ डॉ. अनुप गिरिधर ने सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों को व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समझाया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में एप्लीकेशन का उपयोगी और आकर्षक होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर और पूरी डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों एवं अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी जरूरी है। उन्होंने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया समझाते हुए कहा कि सुरक्षा को एप्लीकेशन विकास के अंतिम चरण में नहीं,



बल्कि शुरूआत से ही डिजाइन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे साइबर कमजोरियों और सुरक्षा जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डॉ. गिरिधर ने सुरक्षित प्रमाणीकरण, उपयोगकर्ता की पहचान की जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण और इनपुट वैलिडेशन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग जैसी सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव के उपाय भी बताए। संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यम तथा डेटाबेस में सीमित अधिकार देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि तकनीकी त्रुटि होने पर उपयोगकर्ता के सामने संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए। बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अपडेट करने, कोड की सुरक्षा जांच और समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण को भी उन्होंने आवश्यक बताया।

कार्यक्रम में इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा ने डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया। आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण और डिजिटल सुरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

जलसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स वाराणसी, मंगलवार, 6 अक्टूबर, 2026



मौसम विभाग ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश से मॉनसून की विदाई हो गई लेकिन प्रकृति के आगे किसी का जोर या भविष्यवाणी नहीं चलती है। अचानक मौसम ने करवट ली और बरसात ने पूरे शहर को अपनी आगोश में ले लिया।

जौनपुर

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता

बोले डॉ. अनुप गिरिधर

सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

पीयू में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आरके सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में



कार्यशाला को सम्बोधित करते वक्ता

उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके। विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया।

कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली। छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

जलसंदेश टाइम्स

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

दिया आश्वासन

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

कुलपति ने राज्यमंत्री से विवि परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विवि एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विवि व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश जो खेलते हैं, वो खिलते हैं और फिट इंडिया मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है। विवि का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।



खेलमंत्री को प्रस्ताव सौंपते कुलपति

उम्मीद आप पब्लिक

उम्मीद ऑफ पब्लिक (हिन्दी दैनिक) जौन

पूविवि की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अन्तर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिये रवाना

कुलपति ने हरी झण्डी दिखाकर टीम को दिया शुभकामना

उम्मीद ऑफ पब्लिक सं.

सिद्दीकपुर, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए बिलासपुर–छत्तीसगढ़ के लिये रवाना हुई। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन करते हुये हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिये रवाना किया।

इस मौके पर कुलपति ने खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट



प्रदर्शन करने का आह्वान किया। विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी।

विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह, प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामना दिया।

अमर भारती

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता: डॉ. अनुप गिरिधर

सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

अमर भारती ब्यूरो



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके।

विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं।

डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली।

छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

लोक भारती

कबड्डी में दम दिखाएंगी बेटियां, टीम रवाना

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम रविवार देर शाम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए बिलासपुर, छत्तीसगढ़ रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और हरी झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया। कुलपति ने कहा कि खेल केवल पदक हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे आत्मविश्वास, अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कुलपति ने विश्वास जताया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वविद्यालय और जौनपुर का नाम रोशन करेंगी। टीम



के रवाना होने के दौरान खिलाड़ियों में उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दिया। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह और प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित खेलकूद विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

पहल टुडे

02 दैनिक पहल टुडे जनता का अखबार
गाजियाबाद / जौनपुर / नई दिल्ली
गाजियाबाद, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग

पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई





नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश जो खेलते हैं, वो खिलते हैं और फिट इंडिया मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है।

विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना, खिलाड़ियों को दीं सफलता की शुभकामनाएं





पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी।

विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह एवं प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री आदर्श धार्मिक रामलीला महोत्सव की तैयारियां जोरों पर, संजय नगर में बने भव्य स्वागत द्वार

बालमजदूरी और शिक्षा से समृद्धि

पहल टुडे

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता: डॉ. अनुप गिरिधर

सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

पहल टुडे





जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन (Virtual Machine) के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके।

विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं।

डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली।

छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज़

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।





कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश जो खेलते हैं, वो खिलते हैंड और फिट इंडिया मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है।

विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज़

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता: डॉ. अनुप गिरिधर

सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज





जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन (Virtual Machine) के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके।

विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं।

डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली।

छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

खबर कोश

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

पीयू में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और एकलव्य स्टेडियम के नवीनीकरण की मांग

खबर कोश

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई





नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश जो खेलते हैं, वो खिलते हैंह्व और फिट इंडिया मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है।

विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

तेजस टुडे

www.tejastoday.com

पूविवि की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अन्तर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिये रवाना

कुलपति ने हरी झण्डी दिखाकर टीम को दिया शुभकामना

रवाना

तेजस टूडे सं.
अजय विश्वकर्मा



सिद्दीकपुर, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए बिलासपुर–छत्तीसगढ़ के लिये रवाना हुई। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन करते हुये हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिये रवाना किया। इस मौके पर कुलपति ने खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी। विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह, प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामना दिया।

रणतूर्य

खेल सुविधाओं के लिए कुलपति ने खेल मंत्री को सौंपा प्रस्ताव

रणतूर्य संवाददाता
जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। खेल मंत्री ने प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया है।कुलपति ने राज्यमंत्री से विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना तथा एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट मैदान के उच्चीकरण और नवीनीकरण के लिए वित्तीय और विभागीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। पत्र में उल्लेख किया गया कि विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में 3 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने देश को कई नामचीन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक और वैश्विक प्रतियोगिताओं में देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इनमें



प्रमुख रूप से हॉकी खिलाड़ी कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हाल ही में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजकुमार पाल तथा अंतरराष्ट्रीय स्टीपलचेज एथलीट पारुल चौधरी शामिल हैं।विश्वविद्यालय परिसर में मानक स्तर के सिंथेटिक ट्रैक का अभाव है, जिसके कारण खिलाड़ियों को आधुनिक अभ्यास में कठिनाई होती है और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं के आयोजन में भी बाधा आती है। सिंथेटिक ट्रैक बनने से पूर्वांचल की नई खेल प्रतिभाओं को तराशने में बड़ी मदद मिलेगी। इसके साथ ही परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम के क्रिकेट ग्राउंड के नवीनीकरण का भी प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत मैदान का समतलीकरण, जलनिकासी (ड्रेनेज), उच्च गुणवत्ता की पिच, अभ्यास के लिए नेट्स और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक आधुनिक सुविधाओं के विकास की योजना शामिल है। इससे विश्वविद्यालय व संबद्ध कॉलेजों के बीच उच्चस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन संभव हो सकेगा।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक संदेश जो खेलते हैं, वो खिलते हैं और फिट इंडिया मिशन को धरातल पर उतारने के लिए इन सुविधाओं का विकास आवश्यक है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य परिसर को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित कर पूर्वांचल को देश के खेल मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

रणतूर्य

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता: डॉ. अनुप गिरिधर

रणतूर्य संवाददाता
जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और



अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया।

उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है।उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके।

विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं।

डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली।

छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

अमन की शान

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर- विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना, खिलाड़ियों को दीं सफलता की शुभकामनाएं

अमन की शान





जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की महिला कबड्डी टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए रविवार देर शाम बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के लिए रवाना हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा हरी झंडी दिखाकर टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल केवल पदक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में पूरे आत्मविश्वास, खेल भावना एवं अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की महिला खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से विश्वविद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित करेंगी। विश्वविद्यालय की महिला कबड्डी टीम प्रतियोगिता में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकजुटता एवं टीम भावना के साथ मैदान में उतरेगी। टीम का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के लिए पदक हासिल करना है। टीम के रवाना होने के अवसर पर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, राधेश्याम सिंह, रजनीश सिंह एवं प्रशिक्षक विजय प्रकाश सहित विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार ने टीम को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं!!

NIP

Vice-Chancellor Flags Off Women's Kabaddi Team

Jaunpur: The women's kabaddi team of Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, left for Bilaspur, Chhattisgarh, on Sunday evening to participate in the East Zone Inter-University Women's Kabaddi Championship. University Vice-Chancellor Prof. R.K. Singh interacted with the players, encouraged them and flagged off the team for the championship.



On the occasion, Prof. R.K. Singh extended his best wishes to the players and said that sports are not merely a means of winning medals, but also an effective way to develop discipline, self-confidence, leadership skills and team spirit. He urged the players to perform to the best of their abilities with confidence, sportsmanship and discipline throughout the competition.

अवधनामा

एप्लीकेशन बनाते समय सुरक्षा को दें प्राथमिकता: डॉ. अनुप

अवधनामा संवाददाता



- सुरक्षित एप्लीकेशन विकास पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ
- पीयू में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने किया प्रतिभाग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. आर. के. सिंह के मार्गदर्शन में सुरक्षित एप्लीकेशन विकास विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला में 90 से अधिक छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यशाला के प्रथम दिन डॉ. अनुप गिरिधर ने प्रतिभागियों को सुरक्षित एप्लीकेशन विकास के मूलभूत सिद्धांतों से सरल, व्यावहारिक एवं प्रभावी ढंग से परिचित कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में एप्लीकेशन विकास केवल उपयोगी और आकर्षक सॉफ्टवेयर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपयोगकर्ता, डेटा, सर्वर तथा संपूर्ण डिजिटल प्रणाली को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

डॉ. गिरिधर ने वर्चुअल मशीन (Virtual Machine) के माध्यम से सुरक्षित वातावरण में एप्लीकेशन विकसित करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी एप्लीकेशन की संरचना तैयार करते समय सुरक्षा को प्रारंभिक स्तर से ही शामिल किया जाना चाहिए। यदि सुरक्षा को विकास प्रक्रिया के अंतिम चरण में जोड़ा जाता है, तो कमजोरियों और साइबर जोखिमों की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने उपयोगकर्ता की पहचान की समुचित जांच, भूमिका आधारित अधिकार निर्धारण तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एप्लीकेशन में उपयोगकर्ता द्वारा दिए गए इनपुट की जांच और शुद्धिकरण आवश्यक है, ताकि एसक्यूएल इंजेक्शन, क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग तथा अन्य सामान्य साइबर कमजोरियों से बचाव किया जा सके।

विशेषज्ञ ने संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए कूटलेखन, सुरक्षित संचार माध्यमों के उपयोग तथा डेटाबेस में केवल आवश्यक अधिकार प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी तकनीकी त्रुटि की स्थिति में उपयोगकर्ता को संवेदनशील तकनीकी जानकारी प्रदर्शित नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि ऐसी जानकारी का दुरुपयोग साइबर अपराधी कर सकते हैं। डॉ. गिरिधर ने प्रतिभागियों को बाहरी पुस्तकालयों और सॉफ्टवेयर घटकों को नियमित रूप से अद्यतन रखने, कोड की सुरक्षा जांच करने तथा विकास, परीक्षण और परिनियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने गतिविधियों की निगरानी, सुरक्षा घटनाओं का अभिलेखन, नियमित सुरक्षा अद्यतन और समय-समय पर परीक्षण को सुरक्षित डिजिटल वातावरण के लिए आवश्यक बताया।

कार्यक्रम का शुभारंभ इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा द्वारा डॉ. अनुप गिरिधर का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने डॉ. अनुप गिरिधर के सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक, समसामयिक और प्रेरणादायक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि कार्यशाला से उन्हें साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं तथा सुरक्षित एप्लीकेशन निर्माण की प्रक्रिया को समझने में विशेष सहायता मिली।

छह दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में साइबर सुरक्षा, सुरक्षित कोडिंग, डेटा संरक्षण, एप्लीकेशन परीक्षण तथा डिजिटल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।